कृपया प्रकाशनार्थ **8 अप्रैल 2013**

उपराष्ट्रपति द्वारा 6 राज्यों के 10 महिला कुष्ठसेवकों का अभिनंदन समारोह

मुंबई, सोमवार: गाव के बाहर के कुष्ठपीडितों के बस्तियों में रहकर कुष्ठपीडितों की सेवा करनेवाली 6 राज्यों की दस महिलाओं का अभिनंदन कार्यक्रम उपराष्ट्रपति श्री.मो.हामिद अंसारी के शुभ हाथों पुणे में अंतरराष्ट्रीय कुष्ठनिवारण संस्था-आरोग्य संधान की ओर से आयोजित किया है. इस कार्यक्रम में विशेष अतिथि के नाते राज्यपाल श्री.के.शंकरनारायणन् तथा सन्माननिय अतिथि के नाते महाराष्ट्र राज्य के आदिवासी विकास राज्यमंत्री श्री. राजेंद्र गावित, पुणे की महापौर श्रीमती वैशाली बनकर तथा निवृत्त न्यायमूर्ति श्री. चंद्रशेखर धर्माधिकारी उपस्थित रहेंगे. कार्यक्रम बुधवार, 10 अप्रैल, दोपहर 4.00 बजे पुणेस्थित राजभवन संकुल के 'यशदा' सभागृह में होगा. यह जानकारी संस्था के अध्यक्ष तथा पूर्व पेट्रोलियम मंत्री श्री. राम नाईक ने आज मुंबई में प्रसिद्धी पत्रक द्वारा दी है.

कार्यक्रम के संबंध में अधिक जानकारी देते हुए श्री.राम नाईक ने कहा,''कुष्ठपीडित समाज का स्थान गरिबी रेखा नीचे के समाज में होता है. इतनाही नही तो यह समाज उपेक्षित तथा तिरस्कृत माना जाता है. इसमें भी जो गाँव के बाहर के स्वयंभू बस्तियों में रहनेवले कुष्ठपीडितों की स्थिती दयनीय होती है, महिलाओं की अवस्था तो और अधिक दयनीय होती है. ऐसे बस्तियों में रहकर समाज की सेवा करनेवाली 6 राज्यों से 10 महिला कार्यकर्ताओं का हमने अभिनंदन करने के लिए चयन किया है. इन महिलाओं के नाम हैः (1)श्रीमती माया रणावरे, कोल्हापूर (महाराष्ट्र), (2)श्रीमती वत्सला संगीत, दापोडी (महाराष्ट्र), (3)श्रीमती सीता देवी, पाटणा (बिहार), (4)श्रीमती भिमबाई मराठे, विजापूर (कर्नाटक), (5)श्रीमती बासम्मा देवनूर, गुलबर्गा (कर्नाटक), (6)श्रीमती नेविस मारी, मदुराई (तामिळनाडू), (7)श्रीमती सरिता मारथा, कटक (ओडिशा), (8)श्रीमती हीरा भंडारी, इंदौर (मध्य प्रदेश), (9)श्रीमती पार्वतीबाई प्रेमा सिंह, रतलाम (मध्य प्रदेश), (10)श्रीमती कमलाबाई चाँदरास, अल्वासा (मध्य प्रदेश).''

..2..

''महिला कार्यकर्ताओं ने जो उल्लेखनीय काम किया है वह इस प्रकार हैंः महिलाओं के बचत गुट बनाना, बकरियों तथा भैंसों का पालन करना, आटे की या मसाले की चक्की चलाना, सिलाई के काम का प्रशिक्षण दिलाना तथा सिलाई का मशीन दिलवाना, बच्चों को शिक्षा देना, चिकित्सीय सेवा करना, कुष्ठरोग के संबंध में सामाजिक जागृति करना, मानवाधिकारों के बारे में समाज में जानकारी देना तथा उन अधिकारों की रक्षा करना, ऐसे विभिन्न काम महिलाओं ने किए हैं'', ऐसी जानकारी भी श्री. राम नाईक ने दी. कुष्ठपीडित बस्तियों में रहकर ही इसप्रकार की सेवा करनेवाली महिलाओं के कर्तृत्व को सलाम करने के लिए यह कार्यक्रम का आयोजन किया है. इस कार्यक्रम के द्वारा कुष्ठरोग निर्मुलन का राष्ट्रीय कार्य को गति देने का भी यह प्रयास है.

''देश के कुष्ठपीडितों की ओर से हमने राज्यसभा को 5 दिसंबर 2007 को याचिका प्रस्तुत की थी. संसद की याचिका समितिने इस पर विचार कर के शिफारसों का अपना रपट 24 अक्टूबर 2008 को प्रस्तुत किया था. इस पर मंत्रालयों के साथ विचार विमर्श के बाद कार्यवाही का रपट (एटीआर) 22 नवंबर 2010 को प्रस्तुत की. केंद्र सरकार की ओर से प्रभावी कदम न उठाने के कारण हमने तत्कालीन राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा पाटील के साथ भी 14 सितंबर 2011 तथा 15 जून 2012 को चर्चा की. महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री तथा उपमुख्यमंत्रीयों के साथ भी समय-समय पर चर्चा हुई. पाँच साल बित गए किंतु अब तक ठोस निर्णय नहीं हुए'', ऐसी वेदना भी श्री. राम नाईक ने अंत में व्यक्त की है.

(कार्यालय मंत्री)